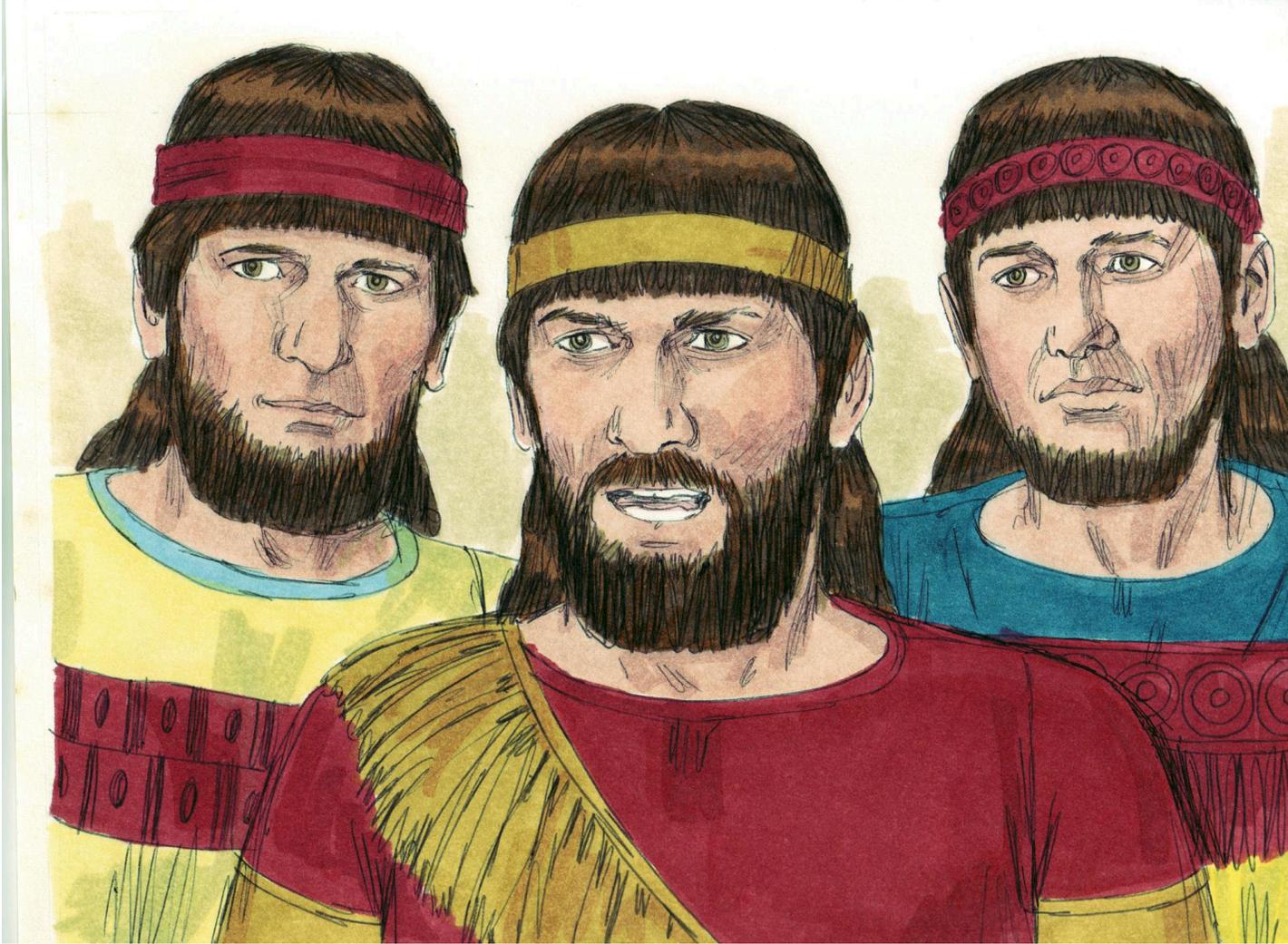


परमेश्वर रै बगत



Bangani

परमेश्वर रै बगत

Bangani
uttarkashi, uttrakhand, india



Copyright © 2020, NLCI

For permission to reuse, contact the copyright holder.

Big Book in Bangani language
Orange Level Book

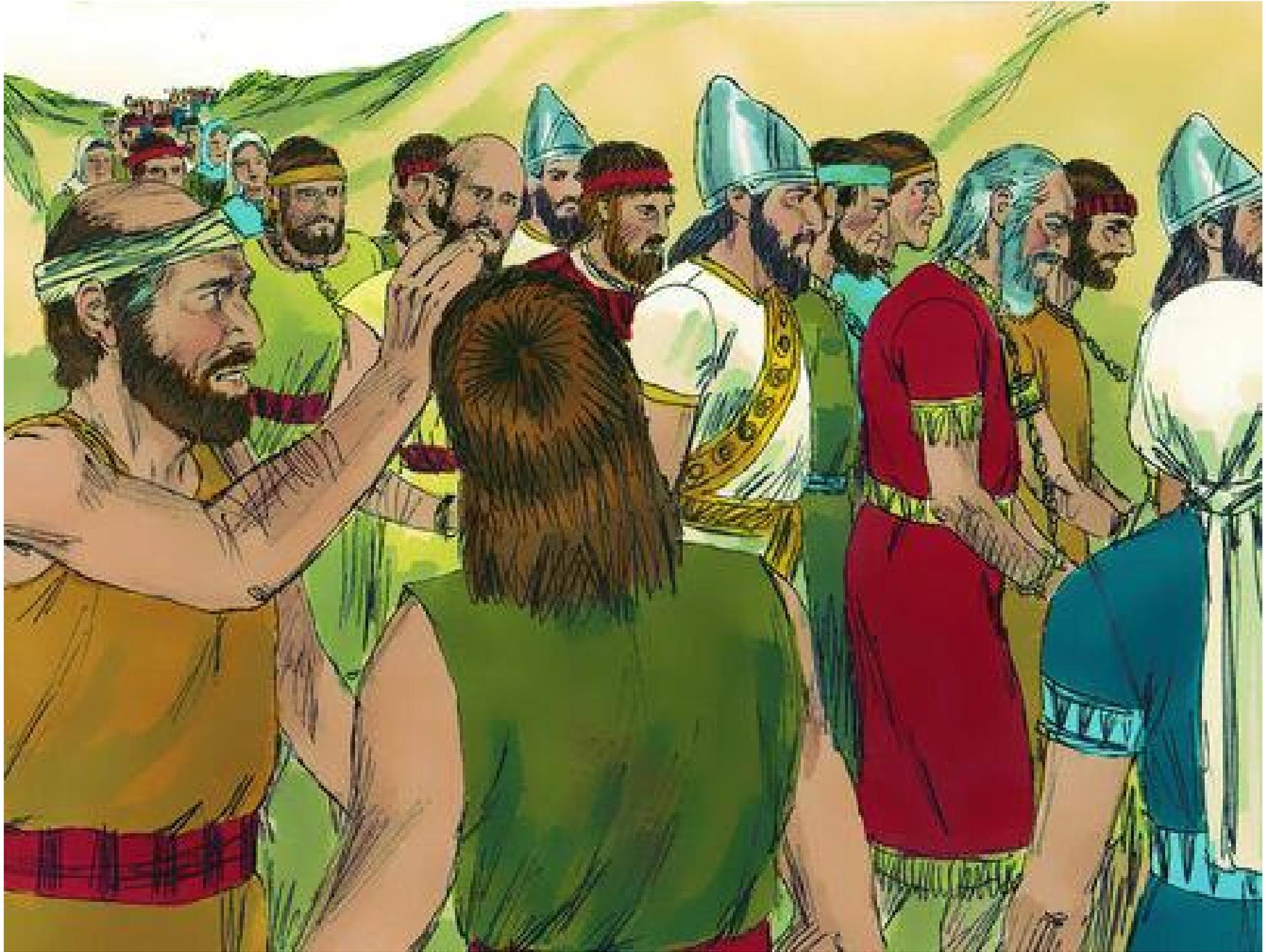
परकाशण:-

NLCI

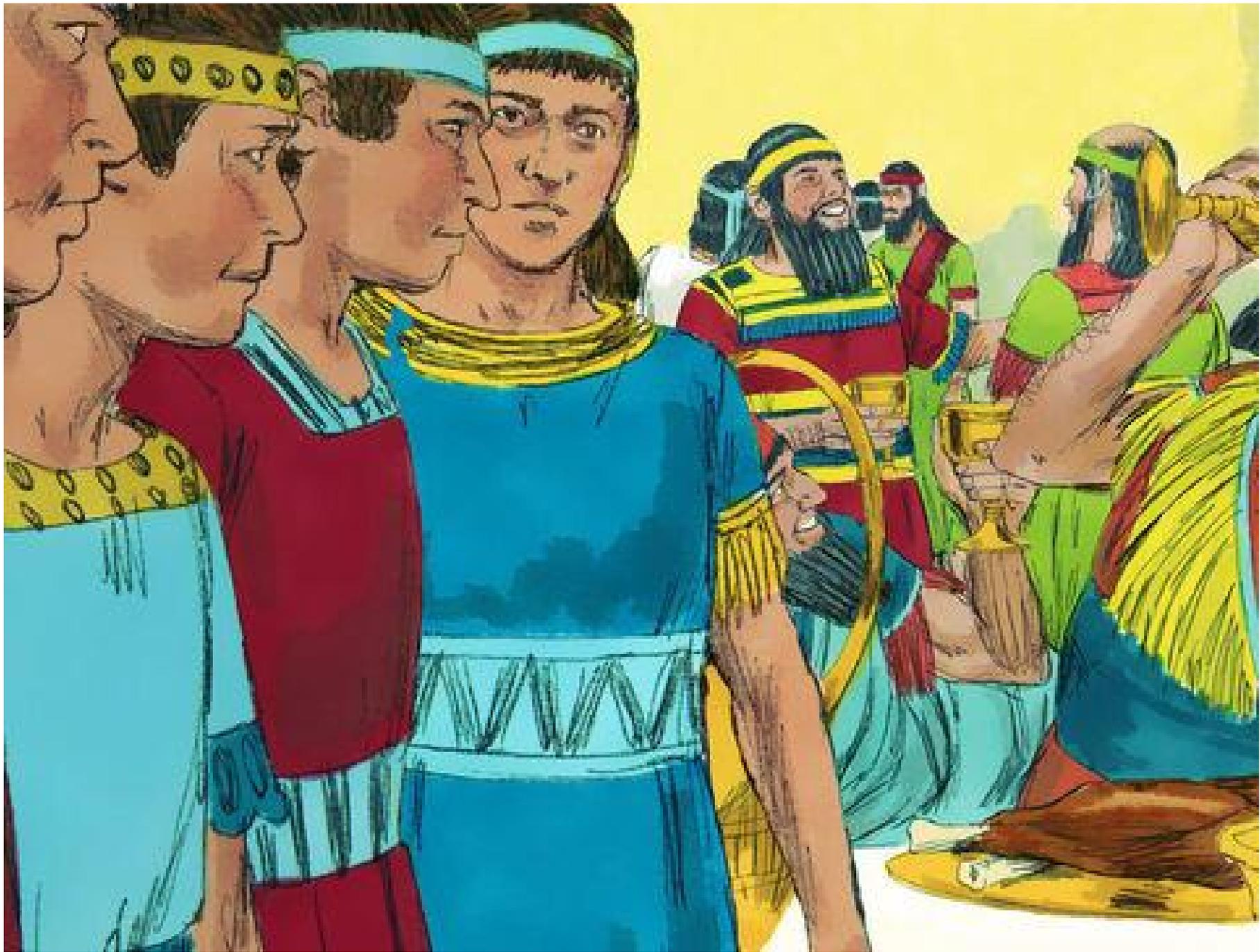
बंगाणी मसी समिति समू

दो बात

हम बंगाली क्षेत्र में साक्षरता कार्यक्रम चला रहे हैं। जिसमें हमारा उद्देश्य यह है कि हमारे क्षेत्र के सभी लोग पढ़ना लिखना सीख सकें। उसी आधार पर इस किताब को भी तैयार किया गया है। यह एक कहानी की किताब है। जिसमें परमेश्वर के भक्तों के बारे में बहुत ही सरल रीति से बताया गया है। इस कहानी को हमने अपनी मातृभाषा में ही तैयार किया है जिससे वह इस कहानी को आसानी से समझ सके। और अपनी मातृभाषा में पढ़ने और लिखने का प्रयास भी कर सकें।



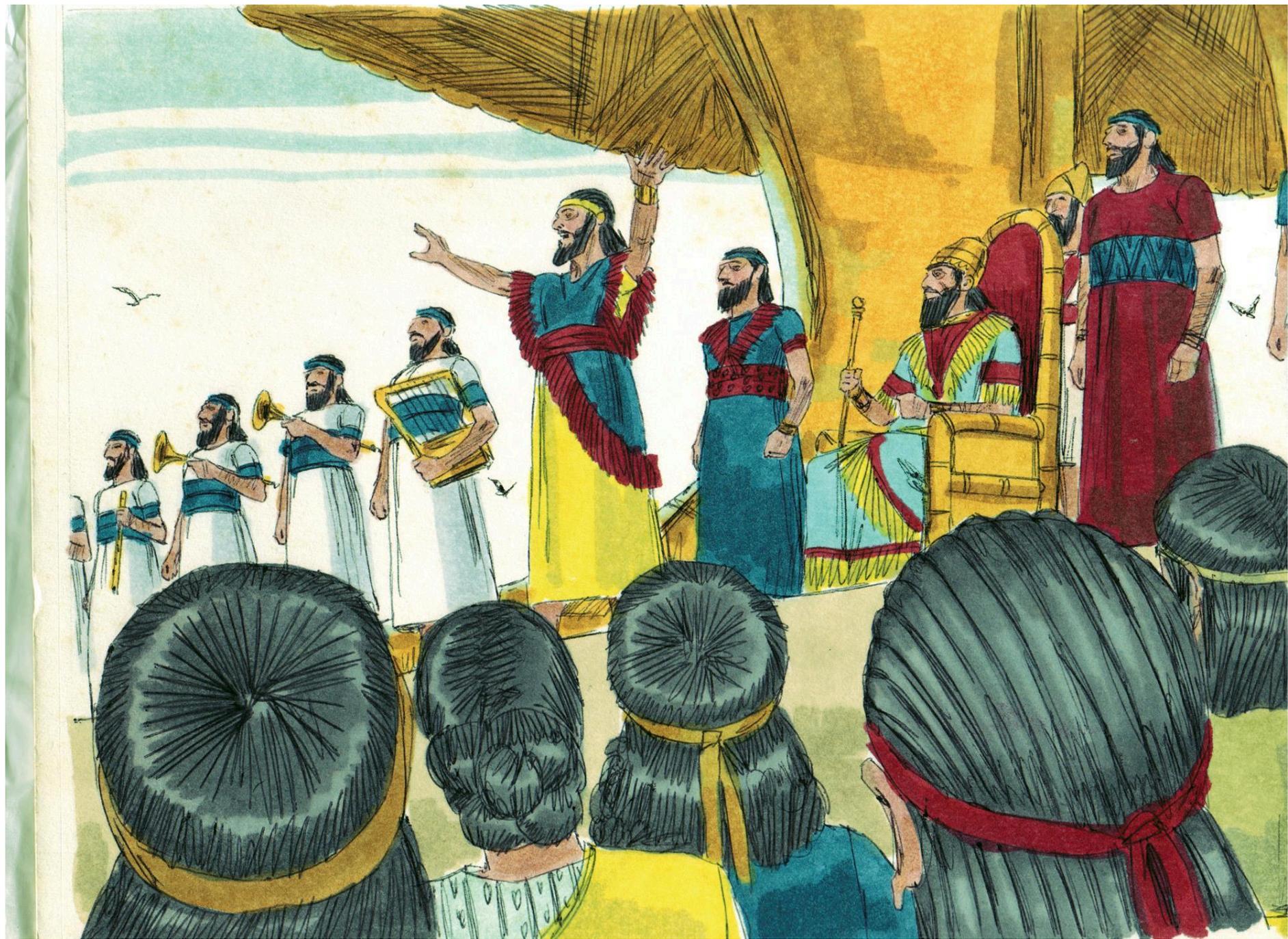
जौ इस्राइल लोगु परमेश्वर रै खिलाफ पाप
कियौ, तै सेजै बौक्ते दि बेबीलोन रौ राज़ा
नबूकदनेसरेइ इस्राइल रै साथै लड़ाइ की, तिणी
तेत्कै कौइ बौरी लोग गुलाम चाणियो आपड़ै देश
बेबीलोन दी आणै।



गुलाम चाणौदै लोगू माइं कुछ परमेश्वर रै बग्त
थै तिउंरौ नौऊं दानियेल औज़ि शद्रक मेशक
अबेदनगो थौ, सै औकली वालै औज़ि ताकत
वालै औज़ि देखणेखी सुन्दर थै। सै कुछ बी
अशुद्ध ज़ीज़ ना खायैण थै, सै परमेश्वर रौ डौर
मानैण थै।



सेजै बौक्ते दि नबूकदनेसर राज़ाइ सुने री एक
बौरी बौड़ी मुरत चौणाइं। सै शाठ आथ लाम्बी
औज़ि छौ आथ चौड़ी थी। तीं मुरती री ऊदगाटण
खी राज़ाइ बौन्डारी, अदिपत्ति औज़ि हकदार
औज़ि दरम शिकाणै वाळै औटायै। तै सारै लोग
तीं मुरती री ऊदगाटण खी आयै।



सै सारै तीं मुरती रै सामणै खौडै उवै, तैबै राज़ाड
एक आदेश देणौ, कि ज़ौ सारै लोग रौणशींग
औज़ि बाइंशुळी री आवाज़ शुणै लै, तै तीं मुरती
रै सामणै ज़ुकियौ डाल कौरियौ। औज़ि जुणज़ै
कोई ईं मुरती रै सामणै डाल ना कौरै लै, तै तेस
आगी री बाठी दी देई पौरै पाई।



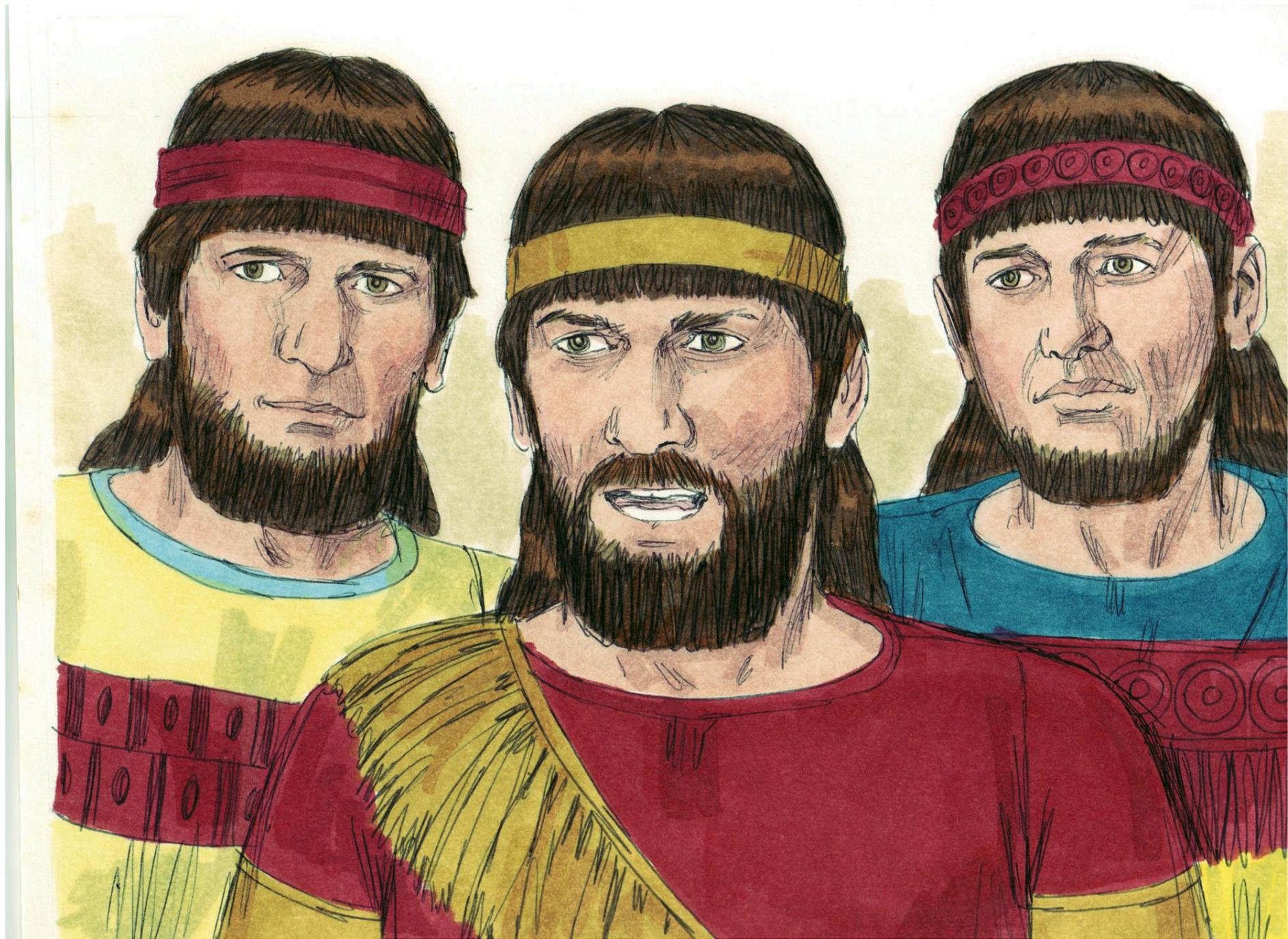
तेतबासियै राज़ा रै आदेश कौइ सारै लोगु
रौणशींग औज़ि बाइंशुळी री आवाज़ शुणियो
मुरती कै डाल कौरदै लागै। पर परमेश्वर रै बग्त
शद्रक मेशक औज़ि अबेदनगोइ तीं सूने री मुरती
कै डाल ना कौरी। पर कुछ लोगु राज़ा आरी
परमेश्वर रै बौग्तुं री चुगली कौरी।



तिउँ राज़ा आरी बोलौ, ए राज़ा सारिउँ तेरै आदेश
री बौज़ै कौइ रौणशींग औज़ि बाइंशुळी बज़दुई
मुरती कै डाल की। पर शद्रक मेशक अबेदनगोइ
तेरै आदेश री कोई चिन्ता ना की, औज़ि ना तै तीं
मुरती कै डाल की।



एशौ शुणियो राज़ाइ बौरी रोश लागौ, औज़ि सै
चिन्या ज़ौणै आपकाई औटायै। तै तिउँवारी बोलौ
कि तुमै ईं मुरती कै डाल केलाइ ना रौयै कौरदै
लागी। अगर तुमै मुरती कै डाल ना कौरै लै,
तै तुमु आगी री बाठी दी देई पोरै पाई। तै
एशौ कुण्जौ देबता, ज़ौ तुमु मेरै आथै कौइ
छुड़ाइ सौकै।



तैबै शद्रक मेशक अबेदनगोइ बोलौ, ए राज़ा एज़ै
बारै दी आमं ताउंवारी बोलणेरी ज़ौरुरत ना
नौथि, आमारौ परमेश्वर ज़ेसरी आमै उपासना
कौरी सेऊ आमु ईं आगी री बाठी माइं कौइ
बौचाणेरी शौक्ति थौऐ, पर ए राज़ा सेऊ आमं तेरै
आथै कौइ बी छुड़ाइ सौकै ।



अगर सेऊ आमारी रक्षा ना बी कौरै लौ, तै बी
आमै तेरी चाणियौन्दि मुरती कै डाल ना कौरदै।
एशौ शुणियौ राज़ाड औज़ि बी बौरी रोश लागौ। तै
तिणी आदेश देणौ कि आगी री बाठी सात गुणा
ज़ादा बौड़ाइयौ ईऊँ आगी माइं पाई दैअ। तैबै
सेनिकुं सै बानियौ आगी री बाठी माइं पाई देणै।



तिउँ बाठी दी पाणै वाळै आगी री लुपिउँ कौइ
जौळी मौरै, जौ राज़ाइ आगी री बाठी दी देखौ
तैबै सेऊ गौबरई मौरै, केलाकि तेसकै बाठी दी
चीन ना बौल्कि च़ार लोग आंडदु बैरै दिशै। पर
तिउँरौ कुछ़ बी नुक़शान ना उवौ। पर च़ोथौ
माणूछ राज़ा कै स्वर्गदुत बाशी दिशौ।



तैबै राज़ा तीं बाठी काई डैअ। औज़ि शद्रक
मेशक अबेदनगो आरी बोलौ, ए परमेश्वर रै
दासुओ बारै आओ, एशौ शुणियो सै चिन्या आगी
री बाठी माइं कौइ बारै आयै, तैबै राज़ा औज़ि
तेसरै अदिकारिऊं देखौ कि तिउंरै एक बी बाल
ना जौळौ, ना तिउंरै ज़ुराबै ज़ौळै औज़ि ना
तिउंकौइ ज़ौळनेरी बास रौइ थी छुटदी लागी।



तैबै राज़ाड बोलौ, कि दन्य तुमारौ परमेश्वर
ज़िणी आपड़ौ दूत छाड़ियौ आपड़ै एज़ै दास एज़ी
बौज़ै कौड़ बौचायै, केलाकि तुमु मेरौ आदेश ना
मानियौ परमेश्वर दी बौरोशौ थौ, औज़ि ना कासी
ओर देबता री उपासना की। औज़ि एस दौरती दी
एशौ कोई बी देबता ना नौथि जुणज़ौ एशेशौ कौड़
बौचाड सौकै।

For the Teacher

This Big Book is designed to be used for two weeks. It promotes enjoyment of storybooks, development of vocabulary, the skills of prediction, sequencing and main idea, and the understanding that books are made up of words.

On **Monday**, the teacher

- shows everyone the cover of the book
- reads the title, while moving a finger under it
- turns to the first page, and discusses the picture (asks the children to predict what will happen)
- reads the text on the first page, fluently (not slowly), and
- asks the children what they think they will see on each page. (The teacher is the only one “reading.”)

On **Tuesday**, the teacher

- shows everyone the book, and
- reads the story again, following the words with a finger, without as much discussion of the pictures.

On **Wednesday**, the teacher

- invites children to join in with “reading” when the story comes to parts which are familiar to them
- shows a flashcard from the story and tells the class what the card says, and
- invites children to find the same word in the storybook (or to match the card with the word in the book to see if it is the same)

On **Thursday**, the teacher

- points smoothly to the words in the story and lets some volunteers “read” a page, if they can remember the story by now, and
- lets the children match the flashcards to the words in the story.

On **Friday**, the children

- act out (dramatize) the story as others help the teacher “read” it.

यह किताब NLCI संस्थान के द्वारा तैयार की गई है।

हम मातृभाषा में साक्षरता कार्यक्रम करते हैं। जिसके अन्तर्गत हम अपने क्षेत्र में अलग अलग भागों में शिक्षा देते हैं। जिसमें हमारा उद्देश्य यह है कि, हमारे क्षेत्र के असाक्षर लोग और बच्चे साक्षर हो सकें। और पढ़ लिख कर अपने समाज का विकास कर सकें।

हम जानते हैं कि हमारे क्षेत्र के अधिकतम लोग बोल-चाल में हो या काम-काज में हर स्थान पर अपनी मातृभाषा का उपयोग करते हैं। इसलिए हम अपने क्षेत्र के लोगों के लिए जो भी पाठ्य सामग्री तैयार करते हैं। उसे उन्हीं की मातृभाषा में तैयार करते हैं। जिससे उन्हें पढ़ने और लिखने में आसानी हो और वो जल्दी ही पढ़ना और लिखना सीख सकें।

हम अपनी संस्था में साक्षरता के द्वारा मातृभाषा में वयस्क शिक्षक ही नहीं चलाते बल्कि, अपने क्षेत्र में पढ़े-लिखे लोगों के लिये तथा बच्चों के लिये भी अलग-अलग तरह की पाठ्य सामग्री भी उन्हीं की मातृभाषा में उपलब्ध कराते हैं। जिससे की बच्चे अपने बचपन से ही अपनी मातृभाषा को महत्व दें जिससे हमारी भाषा लुप्त ना हो। हम प्रार्थना करते हैं कि हमारे क्षेत्र के सभी लोग पढ़ लिख सकें और हमारे क्षेत्र का और अधिक विकास हो सकें।

.....धन्यवाद.....



This book was created with some Bloom Enterprise features enabled at no cost in order to support projects solely funded by the local community.